आनंद ही आनंद छाया

आनंद ही आनंद छाया

आनंद ही, आनंद छाया,
महाँराज, गजानंद आया ॥
महाँराज, गजानंद आया,
महाँराज, गजानंद आया ॥
आनंद ही, आनंद...

शीश, मुकुट धरे, माथे तिलक सजे ॥
तन, पे पीतांबर सजाया,
महाँराज, गजानंद आया ।
आनंद ही, आनंद...

गले, वैजयंती माला, माता गौरां के लाला ॥
मोदक, का भोग लगाया,
महाँराज, गजानंद आया ।
आनंद ही, आनंद...

तेरी, ज्योति जलाऊँ, तुझे भेंट चढ़ाऊँ ॥
भक्तों, ने मंगल गाया,
महाँराज, गजानंद आया ।
आनंद ही, आनंद...

तेरे, दर पे मैं आऊँ, आ के शीश झुकाऊँ ॥
बप्पा, अमृत, रस बरसाया,
महाँराज, गजानंद आया ।
आनंद ही, आनंद...

तेरा आसन लगाया, देवा फूलों से सजाया ॥
भक्तों ने, दर्शन पाया,
महाँराज, गजानंद आया ।
आनंद ही, आनंद...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35592/title/anand-hi-anand-chhaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |